अंपायर से मांगी थी सलाह

गॉ ने 'विजडन क्रिकेट मंथली' से कहा, 'मुझे याद है कि भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच मैच चल रहा था और विराट कोहली और रोहित शर्मा बड़ी साझेदारी कर चुके थे।' उन्होंने बताया, 'मैं स्क्वायर लेग पर आरोन फिंच के करीब खड़ा था और मैच के दौरान उन्होंने मेरे से कहा कि इन दो दिग्गज खिलाड़ियों को खेलते हुए देखना अविश्वसनीय है।' गॉ ने कहा, 'इसके बाद उन्होंने मुझसे से पूछा कि मैं उन्हें कैसी गेंदबाजी करता। मैंने उन्हें देखा और कहा 'मैं जो काम कर रहा हूं उसमें खुश हूं। आपको जो करना है वह आप सोचिए'।'

विराट–रोहित की साझेदारी से परेशान थे आरोन फिंच

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) लंदन। विराट कोहली और रोहित शर्मा की जोड़ी जब लय में होती है तो विरोधी टीम का गेंदबाजी आक्रमण बेहद साधारण नजर आता है और ऐसे ही एक मौके पर ऑस्ट्रेलियाई कप्तान आरोन फिंच इतने बेताब हो गए कि उन्होंने इन दोनों को आउट करने के लिए अंपायर से सलाह मांग ली थी। जिस अंपायर से सलाह मांगी गई वह इंग्लैंड के माइकल गॉ थे और उन्हें याद है कि उन्होंने फिंच से कहा था कि इसका तरीको तुम्हें खुद ढूंढना होगा। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच 2019 और 2020 में पिछली दो वनडे इंटरनैशनल सीरीज सहित कुल 62 वनडे मैचों में अंपायर की भूमिका निभाने वाले 40 साल के गॉ ने फिंच के साथ बातचीत का जिक्र किया जब कोहली और रोहित शानदार बल्लेबाजी कर रहे थे। गॉ संभवतरू भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच इस साल जनवरी में बेंगलुरू में हुए वनडे की बात कर रहे थे जिसमें कोहली (89) और रोहित (119) ने 137 रन की साझेदारी की थी और भारत ने 286 रन के लक्ष्य को तीन विकेट गंवाकर हासिल कर लिया था और 2–1 से बढ़त बनाई थी।गॉ ने अपने प्रथम श्रेणी करियर के दौरान 67 मैचों में डरहम का प्रतिनिधित्व किया।

मैरिज हॉल से शुरू हुआ था चौंपियन का सफर

कॉमनवेल्थ गेम्स में दिखाया दुनिया को दम

बैडमिंटन

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

नई दिल्ली। स्टार बॉलिवुड ऐक्ट्रेस दीपिका पादुकोण के पिता और पूर्व शटलर प्रकाश पादुकोण (10 जून, 1965) बुधवार को 65वां जन्मदिन सेलिब्रेट कर रहे हैं। प्रतिष्ठित ऑल इंग्लैंड चौंपियनशिप को जीतने वाले पहले भारतीय प्रकाश फिलहाल कोच हैं और देश में प्रतिभाओं को तराशने का काम कर रहे हैं। भारतीय बैडमिंटन इतिहास की जब भी बात होगी तो उनकी चर्चा जरूर होगी। बहुत कम लोग जानते होंगे कि प्रकाश पादुकोण के चौंपियन बनने का सफर एक मैरिज हॉल से शुरू हुआ था। दरअसल, उस वक्त स्टेडियम और इंडोर कोर्ट आज के जितनी नहीं होती थी तो प्रकाश ने मैरिज हॉल में ही प्रैक्टि शुरू कर दी थी। इस बारे में उन्होंने बेटी दीपिका को लिख एक पत्र में खुलासा किया था। उन्होंने बताया

था– मैंने बेंगलुरु में अपना करियर शुरू किया तो उन दिनों आज की तरह कोर्ट नहीं हुआ करते थे, जहां खिलाड़ी प्रैक्टिस कर पाएं। हमारा बैडमिंटन कोर्ट हमारे घर के पास कैनरा यूनियन बैंक का मैरिज हॉल था। जहां मैंने खेल के बारे में सब कुछ सिखा।

पिता थे पहले कोचः प्रकाश के समय में आज की तरह अकादमियां भी नहीं थीं। प्रकाश के पिता रमेश पादुकोण मैसूर बैडमिंटन असोसिएशन में सचिव थे। उन्होंने ही प्रकाश को बैडमिंटन से रूबरू कराया और खेल की तकनीकी बारिकियां सिखाई।

हार से शुरुआत, फिर यूं बने चौंपियनः प्रकाश का पहला ऑफिशल टूर्नमेंट कर्नाटक स्टेट जूनियर चौंपियनशिप–1970 थी। यहां वह पहे ही दौर में हार गए, लेकिन दो वर्ष बाद उन्होंने इस टूर्नमेंट का खिताब जीता। फिर सीनियर नैशनल चौंपियनशिप जीती। चौंपियन बनने का सफर जो शुरू हुआ तो उन्हें लगातार 7 वर्ष तक कोई हरा नहीं सका। 1972 से 1978 तक वह नैशनल चौंपियन रहे।

यह वह वक्त था जब बैडमिंटन में मलेशिया, डेनमार्क, इंडोनेशिया और इंग्लैंड जैसे देशों की तूती बोलती थी। 1978 कॉमनवेल्थ गेम्स कनाडा के इडमॉन्टॉन में खेला गया। प्रकाश ने दुनिया के स्टार शटलरों को धूल चटाते हुए पुरुष एकल का गोल्ड मेडल अपने नाम किया। पहला भारतीय बनने के साथ ही उन्होंने नए अध्याय की शुरुआत कर दी थी। उनके अलावा सैयद मोदी (1982) और पी. कश्यप (2014) ही मेंस सिंगल्स में यह खिताब जीत सके हैं, जबकि महिलाओं में साइना नेहवाल ने 2010 और 2018 में यह खिताब अपने नाम किया।

ऑल इंग्लैंड में फहरा तिरंगाः प्रकाश ने ऑल इंग्लैंड चौंपियनशिप–1980 में पुरुष एकल वर्ग का खिताब जीतकर इतिहास रच दिया था।

ओडीआई 11: वसीम जाफर ने किया ऐलान फैन्स ने पूछा– सहवाग–द्रविड़ क्यों नहीं ?

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

नई दिल्ली। पूर्व भारतीय क्रिकेटर वसीम जाफर ने ट्विटर पर अपनी ऑल टाइम इंडिया वनडे इलेवन का ऐलान किया है। इस टीम में उन्होंने क्रिकेट के भगवान के जाने वाले सचिन तेंडुलकर मौजूदा कप्तान विराट कोहली और पूर्व कप्तान एमएस धोनी तक को शामिल किया है। हालांकि, इस लिस्ट में दो बड़े नाम शामिल नहीं हैं, जिसकी वजह से फैन्स जाफर से सवाल कर रहे हैं। दरअसल, पूर्व विस्फोटक बल्लेबाज वीरेंदर सहवाग और राहुल द्रविड़ का नाम नहीं है।

फैन्स ने रिप्लाई करते हुए पूछा है– सहवाग क्यों नहीं हैं? बता दें कि सहवाग वनडे में सचिन के ओपनिंग पार्टनर रहे हैं

और दोनों के ही नाम वनडे में दोहरा शतक है। दूसरी ओर, टीम की बात करें तो ओपनर के तौर पर जाफर ने सचिन और मौजूदा बीसीसीआई प्रमुख सौरभ गांगुली को शामिल किया है, जबकि तीसरे नंबर पर हिटमैन रोहित शर्मा और चौथे नंबर पर कप्तान विराट कोहली हैं।

उन्होंने ऑलराउंडर के तौर पर युवराज सिंह और 1983 वर्ल्ड कप विनिंग टीम के कप्तान कपिल देव को जगह दी है तो विकेटकीपिंग और कप्तानी की जिम्मेदारी एमएस धोनी को दी है। 8वें नंबर पर उन्होंने रविंद्र जडेजा और हरभजन सिंह को संयुक्त रूप से स्थान दिया है। 9वें नंबर पर महान स्पिनर अनिल कुंबले हैं तो तेज गेंदबाज के रूप में जहीर खान और जसप्रीत बुमराह को जगह दी है।

यह रही टीमः सचिन तेंडुलकर, सौरभ गांगुली, रोहित शर्मा, विराट कोहली, युवराज सिंह, एमएस धोनी, कपिल देव, रविंद्र जडेजा, हरभजन सिंह, अनिल कुंबले, जहीर खान, जसप्रीत बुमराह।

बाबर का लक्ष्य विराट, केन के स्तर तक पहुंचना हैः शोएब अख्तर

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) लाहौर। पाकिस्तान के पूर्व तेज गेंदबाज शोएब अख्तर ने कहा है कि उनकी देश की वनडे टीम के नए कप्तान बाबर आजम का लक्ष्य विराट कोहली और केन विलियम्सन द्वारा तय किए गए पैमाने तक पहुंचना है। भारतीय टीम के कप्तान कोहली, न्यूजीलैंड के कप्तान विलियम्सन, इंग्लैंड के कप्तान जो रूट और ऑस्ट्रेलिया के स्टीव स्मिथ को मौजूदा समय के महान बल्लेबाजों में गिना जाता है। अख्तर ने कहा है कि आजम ने अपनी नजरें इन महान खिलाड़ियों के साथ खड़े होने पर टिका ली हैं। शोएब ने एक इंटरव्यू में कहा– बाबर आजम काफी प्रतिभाशाली खिलाड़ी हैं। उन्होंने कोहली, रूट, विलियम्सन के साथ खड़े होने का लक्ष्य बना लिया है। अख्तर ने हालांकि कहा है कि कोहली और बाबर की तुलना नहीं की जानी चाहिए। उन्होंने कहा, 'कोहली और आजम दोनों शानदार खिलाड़ी हैं, लेकिन दोनों की तुलना करना सही नहीं है क्योंकि पाकिस्तान भारत की अपेक्षा कम टेस्ट और वनडे खेलती है।' पूर्व तेज गेंदबाज ने कहा, 'उन दोनों के समर्पण से मुझे विश्वास है कि ये दोनों भविष्य में कई रेकॉर्ड तोड़ेंगे, लेकिन इन दोनों की तुलना करना सही नहीं है।

न्यूज डायरी

फैन्स को याद आए सिक्सर किंग युवराज सिंह, #MissYouYuvi कराया ट्विटर पर ट्रेंड

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। दिग्गज ऑलराउंडर युवराज के रिटायरमेंट को आज एक वर्ष पूरा हुआ। इस चौंपियन खिलाड़ी ने अपने इंटरनैशनल करियर में 40 टेस्ट, 304 वनडे और 58 टी20 मैच खेले। 304 वनडे में से युवराज ने भारत के लिए 301, जबकि बाकी 3 वनडे एशिया इलेवन के लिए खेले। फैन्स को याद आए सिक्सर किंग युवराज सिंह, #MissYouYuvi कराया ट्विटर पर ट्रेंडटीम इंडिया के बेस्ट ऑलराउंडर युवराज सिंह ने 10 जून, 2019 को अपने इंटनैशनल क्रिकेट को अलविदा कहा था। रिटायरमेंट के एक वर्ष पूरे होने पर फैन्स ने उन्हें याद किया है। इस खास दिन पर उनके फैन्स ने रुडपेल्वनल्नअप ट्रेंड के साथ अपने हीरो को याद किया। फैन्स ने तरह–तरह के वीडियोज और फोटोज शेयर करते हुए युवी के इस दिन को यादगार बनाने में कोई कसर नहीं छोड़ी। बता दें कि 40 टेस्ट की 62 पारियों में युवी के नाम कुल 1900 रन हैं, जिसमें 3 शतक और 11 हाफ सेंचुरी उनके नाम हैं।

34 साल पहले भारत ने आज ही दर्ज की थी लॉर्ड्स पर अपनी पहली जीत

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के लिए 10 जून का दिन बहुत खास है। इसी दिन साल 1986 में भारतीय टीम ने पहली बार क्रिकेट का मक्का कहे जाने वाले लॉर्ड्स के मैदान पर पहली जीत हासिल की थी। भारत ने इससे पहले इस मैदान पर 10 टेस्ट मैच खेले थे लेकिन वह जीत से महरूम रहा था। यह टेस्ट सीरीज का पहला मैच था। इससे पहले दो मैचों की वनडे सीरीज बराबरी पर छूटी थी। भारत ने तीन मैचों की सीरीज का दूसरा मैच जीतकर सीरीज पर कब्जा किया था। कपिल देव ने टॉस जीता और इंग्लैंड को बल्लेबाजी का न्योता दिया। ग्राहम गूच की सेंचुरी की मदद से इंग्लैंड ने पहली पारी में 294 रन बनाए। गूच ने 114 और डैरेक प्रिंगल ने 63 रन बनाए। भारत की ओर से चेतन शर्मा ने पांच और रोजर बिनी ने तीन विकेट लिए। महेंद्र अमरनाथ के 69 और दिलीप वेंगसरकर की 126 रनों की पारी की मदद से भारत ने 341 रन बनाकर 47 रनों की महत्वपूर्ण बढ़त हासिल की।

भारतीय टीम पड़ोसी देश में खेलेगी टी20 और वनडे सीरीज, सरकार के पाले में है गेंद

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड यानी बीसीसीआइ पड़ोसी मुल्क श्रीलंका में सीमित ओवरों की सीरीज खेलने को लेकर सहमत हो गई है। कोरोना वायरस की वजह से बीसीसीआइ को सरकार की मंजूरी लेनी है। एक रिपोर्ट के मुताबिक, बीसीसीआइ और श्रीलंकाई क्रिकेट बोर्ड के बीच द्विपक्षीय सीरीज को लेकर सहमति बनी है। ये सीरीज अगस्त में होनी है। हालांकि, इससे पहले भारतीय खिलाड़ियों को अभ्यास की जरूरत होगी। मंगलवार को बीसीसीआइ ने इस बात की पुष्टि की है कि श्रीलंका क्रिकेट ने सीरीज को लेकर तैयारी शुरू कर दी है। क्रिकेट नेक्स्ट के मुताबिक, श्रीलंका क्रिकेट बोर्ड को देश के खेल मंत्रालय से देश में द्विपक्षीय क्रिकेट सीरीज की बहाली को लेकर मंजूरी लेनी है। भारतीय टीम श्रीलंका दौरे पर तीन मैचों की वनडे सीरीज और इतने ही मैचों की टी20 सीरीज खेल सकती है। ये सीरीज पहले जून में होनी थी, लेकिन कोविड 19 महामारी के कारण इसे स्थगित कर दिया गया था।

धोनी ने बचाई ये खूबसूरत सी चिड़िया, बेटी जीवा ने लिखी दिल की बात

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) रांची। भारतीय टीम के पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी इस समय अपने परिवार के साथ समय बिता रहे हैं, इसी बीच जीवा के साथ मिलकर धौनी ने एक चिड़िया को जीवनदान दिया है। जीवा की पोस्ट में लिखा है, ष्आज शाम को मैं अपने लॉन में थी और मैंने एक चिडियां को बेहोशी की हालत में पड़ा हुआ है। मैंने मम्मा और पापा को आवाज लगाई। पापा ने अपने हाथ से चिड़िया को पकड़ा और उसके लिए थोड़ा पानी लेकर आए। कुछ समय के बाद उसने अपनी आंखें खोलीं और हम सब बहुत खुश हो गए। हमने उसको एक टोकरी में कुछ पत्तों के ऊपर रखा। कितनी सुंदर ये छोटी चिड़िया है। इसके बाद ये चिड़िया उड़ गई।